Pochampad Dam Works hit by Steel Shortage

3378. SHRI B. N. REDDY : Will the Minister of IRRIGATION AND POWER be pleased to state :

(a) whether Pochampad Dam Works, Hyderabad were hit by Steel shortage ;

(b) whether the steel for dam work is not available at the price fixed by Government ; and

(c) if so, the steps taken by Government to obtain steel and expedite the Dam work ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER (SHRI B. N. KUREEL) : (a) to (c). The countrywide shortage of Steel has affected irrigation and power projects. Steps have been taken by the Government of India to give priorities in allocation of steel from indigenous production for irrigation and power projects at fixed prices. Shortfalls are being met through imports to the extent possible within the constraint of foreign exchange resources In respect of Pochampad Dam works, the immediate requirements of steel have been indicated as 214 M. Tonnes (boiler quality plates and B. P. Sheets). 88 M. Tonnes have been provided from Indigenous production ; 82 M. Tonnes are being imported for which foreign exchange of about Rs. 1.25 lakhs has been released. A further sum of Rs, 66,000 has been provided as foreign exchange for import of remaining 44 M. Tonnes.

गैर सरकारी कम्पनियों द्वारा चलाई जा रही रेलवे लाइन

3379. श्री हुकम चन्द कछवाय : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में ऐसे रेलवे लाइनों की संख्या तथा उनके नाम क्या हैं जिन्हें इस समय गैर-सरकारी कम्पनियां चला रही हैं ;

(ख) इन कम्पनियों से प्रतिवर्ष सरकार द्वारा कितनी राशि का राजस्व प्राप्त किया जा रहा है ; और

(ग) क्या सरकार का विचार इन रेलवे लाइनों को चलाने के कार्य का राष्ट्रीयकरण करने का है ?

रेल मंत्री (श्री हनुमंतैया) : (क) इस समय प्राइवेट कम्पनियां 3 लाइट रेलें चला रही हैं जो इस प्रकार हैं :—

1. फतुआ-इस्लामपुर लाइट रेलवे ।

2. आरा-सासाराम लाइट रेलवे ।

3. डेहरी-रोहतास लाइट रेलवे ।

(ख) फतुआ-इस्लामापुर लाइट रेलवे का परिचालन केन्द्रीय सरकार के एक करार के अन्तर्गत हो रहा है जिसके अधीन सरकार ने इसकी पूंजी पर 3½ प्रतिशत के न्यूनतम प्रतिफल की गारंटी दी है । इसके अलावा यदि लाभ की मात्रा 5 प्रतिशत से अधिक हो तो अधिक रकम सरकार और कम्पनी में बराबर-बराबर बांट दी जायेगी । पिछले तीन वर्षों में कम्पनी को दी गई सहायता या सरकार द्वारा प्राप्त लाभ का हिस्सा जिसका तुलनपत्र उपलब्ध है, नीचे दिया गया है :—

वर्ष	सरकार से सहायता (—) या सरकार को दिया गया लाभ का हिस्सा (+)
	(रुपयों में)
1967-68	(—) 8,617
1968-69	(+) 29,434
1969-70	(+) 5,459

आरा-सासाराम लाइट रेलवे और डेहरी रोहतास लाइट रेलवे शाहाबाद के जिला बोर्ड के साथ ठेके के अन्तर्गत परिचालित हैं । केन्द्रीय सरकार ने न तो किसी न्यूनतम प्रतिफल की